

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-3488
उत्तर देने की तारीख-11/08/2025

स्कूलों में शुगर बोर्ड

3488. श्री अशोक कुमार रावत:

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार देश में बच्चों में मधुमेह के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्कूलों में शुगर बोर्ड स्थापित करने पर विचार कर रही है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
- (ग) क्या सरकार का देश में बच्चों में मोटापे और शुगर के बढ़ते स्तर को रोकने के लिए कोई अभियान शुरू करने का विचार है; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

**शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)**

(क) से (घ): सीबीएसई के परिपत्र संख्या शैक्षणिक-26/2025 के अनुसार, सभी सीबीएसई-संबद्ध स्कूलों को मात्रा से अधिक चीनी के सेवन के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्यवर्धक भोजन विकल्पों को बढ़ावा देने हेतु 'शूगर बोर्ड' लगाना अनिवार्य है। इन बोर्डों पर अनुशंसित चीनी सेवन, प्रायः खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों में चीनी की मात्रा और स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों जैसी महत्वपूर्ण सूचना प्रदर्शित की जानी होती है। स्कूलों को जागरूकता संगोष्ठी/कार्यशालाएँ भी आयोजित करनी होती हैं, और अब तक कुल 4373 संगोष्ठी/कार्यशालाएँ आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें 6,55,781 छात्र, 47,386 शिक्षक और 61,696 अभिभावक भाग ले रहे हैं।

अनुपालन की निगरानी हेतु, स्कूलों को 'शूगर बोर्ड' की तस्वीरों और जागरूकता कार्यकलापों के विवरण सहित एक रिपोर्ट अपलोड करनी होगी। अब तक 1527 स्कूलों ने अपनी रिपोर्ट अपलोड कर दी है। इस निगरानी तंत्र से पहल की प्रगति पर नज़र रखने और सभी संबद्ध स्कूलों में प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने देश के उन सभी स्कूलों, जिनमें निजी स्कूल भी शामिल हैं, को एक एडवाइजरी [अ.शा.सं. 1-14/2024-पीएमपी (स्वास्थ्य) दिनांक 15.03.2025] जारी की है, ताकि छात्रों को मोटापे की समस्या से निपटने के लिए खाद्य

पदार्थों में तेल की खपत को 10% तक घटाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। तेल कम करने के फायदों के

बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, एडवाइजरी में स्कूलों को विशेष कक्षाएं संचालित करने, पोषण विशेषज्ञों को आमंत्रित करने और स्वस्थ भोजन पर प्रश्नोत्तरी आयोजित करने का सुझाव दिया गया है। स्कूलों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली इको-क्लब चर्चाएँ, योग और व्यायाम सत्र जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जा सकती हैं। शिक्षक अभिभावकों को मोटापा प्रबंधन के बारे में मार्गदर्शन दे सकते हैं, जबकि छात्र कम तेल में खाना पकाने, रेसिपी साझा करने और स्वास्थ्य ट्रेकिंग परियोजनाओं में शामिल हो सकते हैं। बेहतर खाना पकाने के तरीकों, मात्रा पर नियंत्रण और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों को सीमित करने पर ज़ोर देने से संतुलित आहार को बढ़ावा मिलता है।

स्थायी व्यवहार में परिवर्तन को बढ़ावा देने और तेल और चीनी की अत्यधिक खपत में कमी लाने के लिए, जो दोनों मोटापे, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और जीवन शैली से संबंधित अन्य विकारों की बढ़ती दरों के प्रमुख कारक हैं, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने सभी राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों से अनुरोध किया है [दिनांक 01.07.2025 के अ.शा. पत्र संख्या 17-21/2025-समन्वय] कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी स्कूलों को तेल और चीनी बोर्ड डिस्प्ले स्थापित करने, सभी आधिकारिक स्टेशनरी पर स्वास्थ्य संदेश मुद्रित करने और स्वस्थ भोजन और शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देने के निदेश जारी करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में बच्चों के समग्र विकास में पोषण की भूमिका पर विशेष बल दिया गया है और बताया गया है कि पोषण अधिगम में, विशेष रूप से शुरुआती वर्षों में, अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस क्षेत्र के महत्व को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय स्कूल शिक्षा पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2023 (एनसीएफ-एसई 2023) ने इसे विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम के साथ-साथ कक्षाओं में भी शामिल करने और स्कूल शिक्षा के उद्देश्यों में से एक के रूप में स्वास्थ्य एवं कल्याण को शामिल करने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए हैं।

एनसीएफ-एसई 2023 के अनुपालन रूप में जोड़ी गई एनसीईआरटी की नई पाठ्यपुस्तकों में स्वस्थ भोजन और संतुलित आहार को जगह दी गई है

- हमारे पड़ोस की दुनिया - कक्षा 3 में हम जो खाते हैं उस पर एक अध्याय शामिल है।
- शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य - कक्षा 3 में आयुर्वेद के अनुसार स्वस्थ आहार का दृष्टिकोण शामिल है।
- जिज्ञासा-विज्ञान पाठ्यपुस्तक - कक्षा 6 में सचेतन भोजन पर एक अध्याय शामिल है, जिसमें चर्चा की गई है कि किस प्रकार के खाद्य पदार्थ हमें 'मोटा' बनाते हैं।

पाठ्यपुस्तकों में खाद्य पदार्थों पर आधारित अध्यायों में मोटापे सहित भोजन के कुपोषण संबंधी पहलुओं को शामिल किया गया है।
